गैर सरकारी विद्यालयों में माध्यमिक स्तर पर अध्ययन छात्र–छात्राओं की कंप्यूटर शिक्षा के प्रति अभिरूचि का तुलनात्मक अध्ययन

डॉ0 स्वीटी रस्तोगी
असि० प्रो० (शिक्षा विभाग)
बी०कॉम० इंस्टीट्यूट ऑफ टैक्नोलॉजी, मेरठ

सारांशिका

प्रस्तुत शोध में गैर सरकारी विद्यालयों में माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत छात्र–छात्राओं की कंप्यूटर शिक्षा के प्रति अभिरूचि का अध्ययन किया गया। शोध अध्ययन में मेरठ के गैर सरकारी विद्यालयों में माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत 100 विद्यार्थियों को न्यादर्श के रूप में लिया गया जिसमें 50 छात्र एवं 50 छात्राओं को गैर संभावित विधि के अंतर्गत उद्देश्य पूर्ण न्यादर्श विधि द्वारा चयन किया गया। शोध कार्य में आंकड़ों के संकलन हेतु सर्वेक्षण विधि द्वारा स्व निर्मित प्रश्नावली का प्रयोग किया गया। आंकड़ों के विश्लेषण हेतु समूहों के मध्य प्रतिशत के आधार पर निष्कर्ष निकाले गए। इस अध्ययन में पाया गया कि गैर सरकारी विद्यालयों में माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं के मध्य कंप्यूटर शिक्षा के प्रति अभिरुचि में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

प्रस्तावना :

किसी भी राष्ट्र का भविष्य वहां की शिक्षा व्यवस्था पर निर्भर करता है। नित्य प्रति बदलने वाली सामाजिक ,आर्थिक संरचना में शिक्षा के गुणात्मक स्वरूप पर बहुत बल दिया जा रहा है। छात्रों की बढ़ती जनसंख्या को देखते हुए उत्तम शिक्षा व अधिगम के लिए कंप्यूटर एक प्रभावशाली माध्यम माना जा रहा है। इसलिए विद्यालयों में प्राथमिक स्तर से ही विद्यार्थियों को कंप्यूटर शिक्षा दी जाने लगी है। कंप्यूटर शिक्षा को भी प्रमुख विषय का स्थान मिला है।

माध्यमिक स्तर पर भी विद्यार्थियों को कंप्यूटर शिक्षा दी जाती है। माध्यमिक स्तर के बालक व बालिकाओं के लिए कंप्यूटर शिक्षा का अत्यधिक महत्व है। माध्यमिक स्तर के बालक और बालिकाओं की कंप्यूटर के प्रति कैसी रूचि है। माध्यमिक स्तर के छात्र व छात्राओं की अभिरुचि में कितना अंतर है। कंप्यूटर शिक्षा के प्रति उनके विचारों को जानना तथा उनसे प्राप्त समस्याओं की खोज व समाधान हेतु सुझाव प्राप्त करना। इसलिए शोधार्थिनी ने इस समस्या का चयन किया।क्योंकि वैश्विक युग में बालक को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ–साथ कंप्यूटर ,वैज्ञानिक, व्यवसायिक एवं व्यवहारिक शिक्षा की नितांत आवश्यकता है। इस आवश्यकता की पूर्ति के लिए कंप्यूटर आधारित शिक्षा का समावेश माध्यमिक शिक्षा के पाठ्यक्रम में अपेक्षित है।शोधार्थिनी ने साहित्य की समीक्षा से जाना की टी.पी. गिलानी ने विद्यालयों में दृश्य श्रव्य साधनों के प्रयोग पर अध्ययन किया और निष्कर्ष निकाला कि पाठ्यक्रम को स्पष्ट करने एवं शिक्षण को व्यवहारिक बनाने में दृश्य– श्रव्य साधनों का अत्यधिक महत्व है।

एस. मिलीगन ने सन् 1978 में उच्च माध्यमिक कक्षाओं में जीव विज्ञान के शिक्षण में कंप्यूटर के प्रभाव का अध्ययन किया और निष्कर्ष निकाला कि विद्यार्थियों के जीव विज्ञान के शिक्षण में कंप्यूटर का बहुत योगदान रहा तथा कंप्यूटर शिक्षण को प्रभावी व सरल बनाता है। इस आवश्यकता की पूर्ति के लिए कंप्यूटर आधारित शिक्षा का समावेश माध्यमिक शिक्षा के पाठ्यक्रम में अपेक्षित है।

समस्या कथन

गैर सरकारी विद्यालयों में माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत छात्र–छात्राओं की कंप्यूटर शिक्षा के प्रति अभिरुचि का तुलनात्मक अध्ययन।

उद्देश्य

शोधार्थिनी ने अपनी समस्याओं को ध्यान में रखते हुए शोध कार्य के कुछ उद्देश्य निर्धारित किए। बिना उद्देश्य निर्धारित किए कोई भी शोध कार्य निश्चित दिशा में गति के अनुसार आगे नहीं बढ़ सकता। इसीलिए शोध कार्य के उद्देश्यों का पूर्व निर्धारण आवश्यक है।

1. माध्यमिक स्तर के छात्र–छात्राओं की कंप्यूटर शिक्षा के प्रति अभिरुचि की तुलना करना।
2. माध्यमिक स्तर के छात्र व छात्राओं की कंप्यूटर शिक्षा के क्षेत्र के प्रति अभिरुचि का तुलनात्मक विश्लेषण करना।
3. माध्यमिक स्तर के छात्र व छात्राओं की शिक्षण व प्रविधियों से संबंधित अभिरुचि की तुलना करना।

परिकल्पना

परिकल्पना के निर्माण के बिना शोध कार्य की कल्पना भी नहीं की जा सकती। अतः शोधार्थिनी ने शोध कार्य की पूर्ति के उद्देश्य से निम्नांकित परिकल्पनाओं का निर्माण किया।

1. माध्यमिक स्तर के छात्र व छात्राओं की कंप्यूटर शिक्षा के प्रति अभिरुचि में कोई सार्थक अंतर नहीं है।
2. माध्यमिक स्तर के छात्र व छात्राओं की कंप्यूटर शिक्षा के क्षेत्र के प्रति अभिरुचि में कोई सार्थक अंतर नहीं है।
3. माध्यमिक स्तर के छात्र व छात्राओं की शिक्षण प्रविधियों से संबंधित अभिरुचि में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

विधि

शोध अध्ययन में शोधार्थिनी द्वारा निजी विद्यालयों में माध्यमिक स्तर पर अध्यनरत छात्र–छात्राओं के आंकड़ों के संग्रहण के लिए वर्तमान शोध कार्य हेतु सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया।

जनसंख्या एवं न्यादर्श

प्रस्तुत शोध अध्ययन की जनसंख्या जनपद मेरठ के समस्त निजी विद्यालय है।

प्रस्तुत शोध अध्ययन में मेरठ के पांच निजी माध्यमिक विद्यालय से कक्षा नौवीं व दसवीं स्तर के 100 विद्यार्थियों का चयन गैर संभावना प्रतिदर्शन विधि के अंतर्गत उद्देश्य पूर्ण प्रतिचयन द्वारा न्यादर्श चयन किया गया। 100 छात्रों में 50 छात्र व 50 छात्राओं का चयन किया गया। जिसका वर्णन निम्न न्यादर्श तालिका में किया गया।

न्यादर्श तालिका

क्रम संख्या	विद्यालय	न्यादर्श छात्र	न्यादर्श छात्राएं	कुल न्यादर्श
1	भाई जोगा सिंह इंटर कॉलेज मेरठ	10	10	20
2	प्रेसिडेंसी स्कूल मेरठ	10	10	20
3	एमपीएस मेरठ	10	10	20
4	सिटी लुक पब्लिक स्कूल मेरठ	10	10	20
5	गुरु तेग बहादुर स्कूल मेरठ	10	10	20
		50	50	100

शोध उपकरण

शोधार्थिनी ने शोध अध्ययन में आंकड़ों के संकलन हेतु स्वनिर्मित प्रश्नावली का प्रयोग किया।

सांख्यिकी विधि

प्रस्तुत शोध में समूहों के मध्य प्रतिशत के आधार पर आंकड़ों का विश्लेषण किया गया।

आंकड़ों का विश्लेषण

तालिका संख्या–1

निजी विद्यालयों में माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं की कंप्यूटर शिक्षा में अभिरुचि निम्नवत पाई गई

क्रम संख्या	विषय	प्रतिशत हां छात्र	छात्राएं	प्रतिशत नहीं छात्र	छात्राएं	प्रतिशत कभी-कभी छात्र	छात्राएं
1.	माध्यमिक कक्षा में कंप्यूटर शिक्षा देना उचित	92	80	08	18	-	02
2.	कंप्यूटर शिक्षा अंग्रेजी माध्यम के रूप में	70	76	20	24	10	-
3.	कंप्यूटर से ग्राफ व नक्शे	90	100	06	-	04	-
4.	आपके विद्यालय में कंप्यूटर शिक्षा	60	80	40	20	-	-
5.	कंप्यूटर में अनेक भाषाओं का प्रयोग	94	90	04	04	02	06

तालिका संख्या –2

माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं की कंप्यूटर शिक्षा के क्षेत्र के संबंध में अभिरुचि निम्नवत पाई गई।

क्रम संख्या	विषय	प्रतिशत हां छात्र	छात्राएं	प्रतिशत नहीं छात्र	छात्राएं	प्रतिशत कभी-कभी छात्र	छात्राएं
1	कंप्यूटर का क्षेत्र व्यापक	96	90	04	10	-	-
2	कंप्यूटर की संख्या	100	100	-	-	-	-
3	कंप्यूटर के अविष्कारक	80	74	20	26	-	-
4	कंप्यूटर के भाग एवं उसके कार्य	80	80	10	10	10	10

तालिका संख्या–3

माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं की शिक्षण प्रविधियो से संबंधित अभिरुचि निम्नवत पाई गई।

क्रम संख्या	विषय	प्रतिशत हां छात्र	छात्राएं	प्रतिशत नहीं छात्र	छात्राएं	प्रतिशतकभी -कभी छात्र	छात्राएं
1	परंपरागत शिक्षण प्रविधियों की उपर्युक्तता	92	96	08	04	-	-
2	विद्यार्थियों के विकास के लिए शिक्षा में परिवर्तन	80	90	10	10	10	-
3	वर्तमान जनसंख्या व शिक्षण पद्धति	84	70	14	20	02	10
4	दूरस्थ शिक्षा व आधुनिक शिक्षण विधियां	86	84	10	12	04	04

निष्कर्ष :

तालिका संख्या –1. निजी विद्यालयों में माध्यमिक स्तर के छात्र व छात्राओं की कंप्यूटर शिक्षा के प्रति अभिरुचि से संबंधित थी। प्राप्त निष्कर्ष के आधार पर प्रश्नावली में वर्णित सकारात्मक बिंदु पर छात्राओं का 4: सकारात्मक प्रतिशत अधिक रहा। कंप्यूटर शिक्षा के अध्ययन में नकारात्मक बिंदु पर छात्रों का प्रतिशत छात्राओं की अपेक्षा 2: अधिक रहा। कभी–कभी बिंदु के अंतर्गत छात्रों का प्रतिशत छात्राओं से कुछ ही अधिक पाया गया।इससे निष्कर्ष निकला कि छात्र व छात्राओं के प्रतिशत में अधिक अंतर नहीं है। इसके आधार पर छात्र व छात्राओं की कंप्यूटर के अध्ययन से संबंधित अभिरुचि में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया।अतः प्रथम परिकल्पना स्वीकार की गई।

तालिका संख्या 2. माध्यमिक स्तर के छात्र व छात्राओं की कंप्यूटर शिक्षा के क्षेत्र में अभिरुचि से संबंधित थी। प्राप्त निष्कर्ष के आधार पर कंप्यूटर शिक्षा के क्षेत्र में छात्रों की अभिरुचि का प्रतिशत सकारात्मक बिंदु पर छात्राओं की अपेक्षा 3: अधिक रहा।

तथा नकारात्मक बिंदु पर छात्राओं की अभिरुचि का प्रतिशत 3: अधिक रहा। कभी–कभी बिंदु में छात्र एवं छात्राओं की अभिरुचि समान रही। अतः उपरोक्त विश्लेषण से निष्कर्ष निकला कि कंप्यूटर शिक्षा के क्षेत्र में छात्र व छात्राओं की अभिरुचि में अंतर है परंतु अंतर सार्थक नहीं है और छात्र व छात्राओं की रुचियां इस क्षेत्र में लगभग समान थी। अतः द्वितीय परिकल्पना स्वीकार की गई।

तालिका संख्या 3. माध्यमिक स्तर के छात्र व छात्राओं की शिक्षण प्रविधियो के संबंध में अभिरुचि से संबंधित थी।अवलोकन से स्पष्ट हुआ कि छात्र एवं छात्राओं की शिक्षण प्रविधियों से संबंधित अभिरुचि का सकारात्मक बिंदु पर अंतर सार्थक प्राप्त नहीं हुआ। नकारात्मक बिंदु पर छात्राओं का प्रतिशत छात्रों की अपेक्षा 1: अधिक रहा।कभी–कभी बिंदु के अंतर्गत छात्रों का प्रतिशत छात्राओं की अपेक्षा 0.5% अधिक रहा। अतः प्राप्त निष्कर्ष के आधार पर छात्र एवं छात्राओं की शिक्षण प्रविधियो से संबंधित अभिरुचि में कोई सार्थक अंतर प्राप्त नहीं हुआ।अतः तृतीय परिकल्पना को स्वीकार किया गया।

प्रतिदर्श क्षेत्र जनपद मेरठ में स्थित इन निजी विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के द्वारा संकलित प्रतिक्रिया के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि माध्यमिक विद्यालयों में छात्र एवं छात्राओं की कंप्यूटर शिक्षा के प्रति अभिरुचि में कोई विशेष अंतर नहीं है। माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं को कंप्यूटर शिक्षा देना आवश्यक है क्योंकि प्रत्येक क्षेत्र में इसका प्रयोग बड़ा है। कंप्यूटर शिक्षा का विकास करना समय की आवश्यकता है। परंपरागत शिक्षण विधियों की अपेक्षा आधुनिक शिक्षण विधियों का प्रयोग किया जाना चाहिए ताकि छात्रों में अधिगम के प्रति रुचि उत्पन्न हो। अतः ज्ञान के संचय, प्रसार तथा ज्ञान को वैज्ञानिक व प्रभावी बनाने के लिए कंप्यूटर शिक्षा नितांत आवश्यक है। छात्र एवं छात्राओं की कंप्यूटर शिक्षा में समान अभिरुचि इसके महत्व को और भी अधिक बढ़ा देती है।

संदर्भ सूची :

1. अग्रवाल वी.वी. – कंप्यूटर लिटरेसी पितांबर पब्लिशिंग कंपनी।
2. कुलश्रेष्ठ एस.पी. – शिक्षा तकनीकी के मूलाधार, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
3. गुप्ता एस.पी. – मापन एवं मूल्यांकन शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद।
4. गिल्फोर्ड जे.पी. – जर्नल साइकोलॉजी ईस्ट वेस्ट प्रेस नई दिल्ली।
5. भटनागर ए.बी. – अधिगमकर्ता का विकास एवं अधिगम प्रक्रिया, सूर्या पब्लिशिंग मेरठ।
6. शर्मा आर.ए. – शिक्षा तकनीकी इंटरनेशनल पब्लिशिंग हाउस, मेरठ।